

Export of Iron Ore from Bailadilla

4832. SHRI D. V. SINGH : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) the total amount of iron ore exported from Bailadilla so far since exploitation of this reserve started in April 1968 in terms of quantity and specifications of the ore and its foreign exchange price, to each ore importing country ; and

(b) the steps taken to utilise this ore for the manufacture of steel within the country ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) 6.60 million tonnes of iron ore of 65/63% grade valued at Rs. 47.09 Crores have been exported from Bailadilla mines to Japan during the period April, 1968 to 30th November, 1970.

(b) The decision to locate a steel plant in the coastal region of Visakhapatnam based on ore availability from Bailadilla was announced by the Prime Minister in Lok Sabha on April 17, 1970. Steps to implement the decision have already been initiated at Government level.

यूरोपीय साम्राज्य में ब्रिटेन का प्रवेश

4833. श्री हृदय चन्द कछवाय : क्या वैदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यूरोपीय साम्राज्य में ब्रिटेन के प्रवेश से भारत के व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ेगा ; और

(ख) इस सम्बन्ध में भारत सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) यूरोपीय आर्थिक समुदाय में ब्रिटेन के प्रवेश के फलस्वरूप भारत के व्यापार पर सम्भावित प्रभाव के बारे में

लोक सभा में दिनांक 4-5-67 को वाणिज्य मंत्री के वक्तव्य में (प्रतिलिपि सभा पटल पर रख दी गयी है। [पंचालय में रख दिया गया। देखिये संख्या LT-4588/70] स्पष्टीकरण किया गया था। चूंकि यूरोपीय आर्थिक समुदाय में ब्रिटेन के प्रवेश की शर्तों के सम्बन्ध में अभी भी वार्ताएं चल रही हैं अतः भारतीय व्यापार पर पड़ने वाले उसके यथा-तथ्य प्रभावों के विषय में इतना शीघ्र अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

(ख) भारत सरकार इन बातों से भारत के हितों के लिए यथा सम्भव श्रेष्ठ संरक्षण प्राप्त करने के भरसक प्रयत्न कर रही है।

Supply of Artificial Silk and Rayon Yarn to Small Scale Manufacturers

4834. SHRI BAL RAJ MADHOK : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether there is general complaint of small scale manufacturers of artificial silk and rayon fabrics that they are starved of yarn by the big industrialists who have the near monopoly of yarn ; and

(b) if so, what steps have been taken to ensure regular and adequate supply of yarn on economic rates to small scale manufacturers particularly of Punjab ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Government have received some representations about difficulties experienced by artificial silk weavers (including those of the Punjab).

(b) A voluntary agreement between the producers and weavers of viscose filament yarn, concluded in August, 1969 regarding prices and distribution is still in operation. Under this agreement 45% of the production of this yarn is supplied to weavers on fixed prices while 10% of the production is made available at even a lower price as replenishment against exports of textiles. A voluntary agreement is also in operation since

the middle of this year regarding prices and distribution of Nylon filament yarn.

भारतीय चप्पलों तथा जूतों का निर्यात

4835. श्री आत्म दास : क्या ब्रिटेन के व्यापार मंत्री यह बयाने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशों में जूतों का निर्यात करने वाली फर्म स्वयं चप्पल और जूते बनाती हैं ;

(ख) क्या निर्यात व्यक्ति इन चप्पलों और जूतों को बनाते हैं और बड़ी फर्मों को बेचते हैं और ये फर्म इन वस्तुओं का निर्यात करती हैं और इस प्रकार बड़े व्यापारी भारी लाभ कमाते हैं जब कि निर्यात व्यक्ति, जो इन वस्तुओं को बनाते हैं, लाभ के अपने वास्तविक हिस्से से बचत रह जाते हैं ; और

(ग) क्या सरकार वर्तमान प्रणाली में कोई परिवर्तन करेगी ; यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्योरा क्या है और ये परिवर्तन कब तक क्रियान्वित किये जायेंगे ?

ब्रिटेन के व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्रीधरी राम सेवक) : (क) चप्पलों तथा जूतों का निर्यात निर्यातियों के अतिरिक्त व्यापारी निर्यातकों द्वारा भी किया जाता है ।

(ख) प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह लघु, मध्यम अथवा विशाल क्षेत्र से सम्बन्धित हो, विदेशी खरीदारों को स्वीकार्य कीमतों पर जूतों और चप्पलों का निर्यात कर सकता है । क्या वे वास्तव में ऐसा करने में समर्थ हैं अथवा

नहीं यह बात अपने बल पर निर्यात क्षेत्र में प्रवेश करने की उनकी योग्यता पर निर्भर करती है । यदि वे किसी भी कारण से ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं तो वे अन्य सक्षम निर्यातकों, निर्यात सदनों अथवा राज्य व्यापार निगम के माध्यम से निर्यात कर सकते हैं । वास्तविक निर्यातकों को किये जाने वाले इस प्रकार के सम्भरणों की कीमतें तो दोनों पक्षों के बीच बातचीत द्वारा तय की जा सकती हैं । पंजीयित निर्यातक नीति के अधीन निर्यात सहायता का परिमाण अभी निर्यातकों के लिए, चाहे वे विशाल हों अथवा लघु, एकसम हैं ।

(ग) यह आवश्यक प्रतीत नहीं होता चूंकि विद्यमान व्यवस्था के अधीन जूतों और चप्पलों का निर्माण करने वाले वास्तविक व्यक्ति निर्यात व्यापार में भाग ले सकते हैं ।

निर्यात किये गये जूतों का मूल्य

4836. श्री आत्म दास : क्या ब्रिटेन के व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1968 तथा 1969 के दौरान प्रत्येक देश को कितने जूतों का निर्यात किया गया और उसका कुल मूल्य कितना है ; और

(ख) इससे भारत ने कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की ?

ब्रिटेन के व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्रीधरी राम सेवक) : (क) तथा (ख). एक विवरण संलग्न है ।

जूतों का निर्यात

मात्रा 'हजार' जोड़े में
मूल्य 'हजार' ₹० में

क्रमांक	देश	1967-68		1968-69		1969-70	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बल्गारिया	179	6149	43	1546	—	—
2.	बेल्जियम	1011	3973	721	2334	239	720